तापमान

अधिकतम 29.0 डिग्री

न्यूनतम 11.0 डिग्री

हरिभूमि

वनांचल भूमि

रायपुर, शनिवार 17 जनवरी 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

11 सब्जी उत्पादन की आधुनिक तकनीक को शिवराज ने अपनाया

12 कलाकारों ने जनजातीय नृत्य से लेकर बस्तर के स्वादिष्ट व्यंजनों का किया प्रदर्शन

खबर संक्षेप

शहीद पार्क के सामने ठेला संचालकों पर कार्रवाई सात हजार का जुर्माना

जगदलपुर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ व सुंदर रखने के उद्देश्य से नगर निगम ने आज शहीद पार्क के सामने ठेला व्यवसायियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की । निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कुछ ठेला संचालकों द्वारा नालियों में कचरा फेंका जा रहा था। सार्वजनिक स्थानों पर खाद्य अपशिष्ट और डिस्पोजल सामग्री फेंककर गंदगी फैलाई जा रही थी, जिससे आसपास का क्षेत्र अस्वच्छ हो रहा था और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। नगर निगम की स्वच्छता टीम ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले मोमोस सेंटर, चिकन सेंटर एवं एग रोल सेंटर के ठेला संचालकों पर कुल सात हजार का जुर्माना किया है। यह जुर्माना नालियों में कचरा फेंकने, सार्वजनिक स्थानों को गंदा करने एवं स्वच्छता नियमों की अवहेलना करने के मामलों में लगाया गया। महापौर संजय पाण्डेय ने कहा कि नगर की स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक और व्यवसायी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कोहकामेटा थाना के ग्राम वाड़ापेंदा में नए जन सुविधा कैंप खुलने से लोगों को मिलेगी राहत

नक्सलमुक्त बस्तर लक्ष्य के लिए माड़ के वाड़ापेंदा में खुला साल का दूसरा कैम्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नारायणपुर पुलिस द्वारा नक्सल मुक्त भारत एवं नक्सल मुक्त छग के लक्ष्य को प्राप्त करने वर्ष 2026 का दूसरा सुरक्षा एवं जन सुविधा कैम्प कोहकामेटा थाना क्षेत्र के ग्राम वाड़ापेंदा में खोला गया। इससे पूर्व वर्ष 2025 में नारायणपुर जिले में 27 सुरक्षा कैंप स्थापित किया गया था। लगातार खुल रहे कैम्प व सुरक्षाबलों द्वारा चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान की वजह से गत वर्ष पुलिस को भारी सफलता मिली थी और माड़ में कई सेण्ट्रल कमेटी मेंबर व खूंखार नक्सलियों को मार गिराया गया था।

- माड़ बचाओ अभियान में वर्ष 2025 में खोले गए थे 27 कैम्प

गौरतलब है कि माड़ बचाओ अभियान

के तहत थाना कोहकामेटा क्षेत्र के ग्राम वाड़ापेंदा में आईजी सुन्दराज पट्टलिंगम, डीआईजी अमित कांबले, एसपी रोबिनसन गुरिया व अन्य अधिकारियों के निर्देश व मार्गदर्शन में नवीन सुरक्षा एवं जन सुविधा कैंप नारायणपुर पुलिस, डीआरजी, बस्तर फॉईटर एवं बीएसएफ 86 वीं वाहिनी, 178 वीं वाहिनी, 83 वीं वाहिनी और 133 वीं वाहिनी द्वारा खोला गया। नारायणपुर पुलिस द्वारा नक्सल मुक्त सशक्त बस्तर की कल्पना को साकार रूप देने क्षेत्र में लगातार नक्सल विरोधी माड़ बचाओ अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही अबूझमाड़ में लगातार नवीन कैम्प स्थापित करते हुए सड़क पुल-पुलिया निर्माण सहित अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं को अंदरूनी गांव तक पहुंचाये जाने में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। थाना कोहकामेटा के ग्राम वाड़ापेंदा क्षेत्र में नक्सल विरोधी ⏭शेष पेज 10 पर

सुरक्षा और विकास कार्यों में सहयोग करेंगे: एसपी

एसपी रोबिनसन गुरिया ने बताया कि थाना कोहकामेटा के ग्राम वाड़ापेंदा क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियानों एवं कोहकामेटा-कच्चापाल-परियादी एक्सिस तक सड़क निर्माण कार्य में सुरक्षा प्रदान करने के लिए कैंप बनाया गया इसके अलावा एवं विकास कार्यों में सहयोग पहुंचाने के उद्देश्य से नारायणपुर पुलिस ने धूर नक्सल प्रभावित माड़ क्षेत्र माओवादियों के आश्रय स्थल ग्राम वाड़ापेंदा में नवीन कैम्प स्थापित किया है।

अबूझमाड़ के इस क्षेत्र के लोगों को मिलेगी सुविधा

एसपी ने बताया कि वाड़ापेंदा कैंप के द्वारा कच्चापाल से तोके कोडनार जटवर वाड़ापेंदा और बालेबेड़ा का संपर्क होगा आम नागरिकों को सड़क सुविधा के माध्यम से अलग-अलग सुविधा और आवागमन की सुलभता प्राप्त हो सकेगी। बालेबेड़ा से गरपा तक कनेक्टिविटी हो जाएगा इसके साथ ही कच्चापाल से गरपा तक सड़क का निर्माण होगा।

सड़क हादसे में आरएसएस विभाग संघचालक बघेल की मौत, 3 घायल

जगदलपुर। लोहण्डीगुड़ा ब्लाक के बड़ाजीं थाना क्षेत्र के टाकरागुड़ा मुख्य मार्ग में शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में आरएसएस नेता की मौत हो गई वहीं तीन अन्य घायल हो गए। टाटा मैजिक वाहन के चालक ने तेज रफ्तार व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। यातायात सड़क सुरक्षा माह के दौरान यातायात पुलिस द्वारा वाहन को धीरे चलाने व नियमों का पालन करने की अपील व जागरुकता अभियान के बावजूद हादसा थम नहीं रहा है। जानकारी के मुताबिक चित्रकोट मार्ग में टाकरागुड़ा के करीब तेज रफ्तार टाटा मैजिक वाहन के चालन ने विपरित दिशा से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में आरएसएस बस्तर संभाग के विभाग संघचालक सुकालुराम बघेल निवासी चंदनपुर थाना लोहण्डीगुड़ा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चार अन्य घायल हो गए हैं। हादसा इतनी जबरदस्त था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में बाइक पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं टाटा मैजिक वाहन में सवार दो अन्य लोग भी हादसे में घायल हुए हैं। घायलों में बाइक में सवार पीलूराम कश्यप निवासी उसरीबेड़ा के अलावा टाटा मैजिक में सवार मुन्ना मडांवी निसी बेलर तथा विष्णु निवासी टाकरगांव गंभीर रूप से घायल हो गए।

- चित्रकोट मार्ग में टाकरागुड़ा मुख्य मार्ग में हुआ सड़क हादसा

पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी बड़ाजीं पुलिस व एम्बुलेस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पीएम के लिए रवाना किया। पीएम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

तीन वाहनों से 228 कट्टा अवैध धान जब्त

कोण्टा। सुकमा जिले के कोण्टा ब्लॉक के अंतर्गत धान केंद्रों में अवैध धान ब्रिकी, व्यापार और परिवहन को रोकने के लिए प्रशासन ने चौकसी बढ़ा दी है। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन में कोंटा के अधिकारियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पिछले चार दिनों के भीतर अलग-अलग स्थानों से कुल 228 कट्टा अवैध धान और परिवहन में प्रयुक्त तीन वाहन जब्त किए हैं।

- कोंटा में आधी रात को कार्रवाई, ट्रैक्टर और पिकअप पकड़े गए

प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध धान का परिवहन और भंडारण करने वाले लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। 11 जनवरी को पुसगुफ़ा रोड पर की गई कार्रवाई में उइका भीमा निवासी गोरखा ⏭शेष पेज 10 पर

अतिक्रमण नहीं हटाने पर आंदोलन की चेतावनी

बकावंड। ग्राम बकावंड में अमलीगुडा जलाशय का केनाल भूमि का अतिक्रमण मामले को लेकर सरपंच, पंचगण सहित ग्रामीणों ने ग्राम देवी देवताओं के साथ बकावंड तहसील पहुंच नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। सरपंच डामरू कश्यप ने बताया कि जलाशय के केनाल भूमि में हर वर्ष कि भांति मेला का आयोजन होता है। मगर किसी अन्य व्यक्ति ने भूमि को अतिक्रमण किया है जो ग्रामवासियों के समझाने पर दबंगई कर रहा है। एक सप्ताह के अंदर इस मामले पर कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामवासी केनाल भूमि पर आमरण अनशन करने की चेतावनी दी है।

गुणवत्ता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता : पाण्डे

जगदलपुर। नगर निगम शहर के बुनियादी ढांचे, सांस्कृतिक धरोहरों और खेल सुविधाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा हैं। महापौर संजय पाण्डे ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार में चल रहे निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को देखने पहुंचे।

- निर्माण कार्यों को देखने पहुंचे महापौर

महापौर पांडे ने बताया कि टाउन हॉल शहर की एक महत्वपूर्ण

सांस्कृतिक पहचान है, जहां वर्षों से विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक एवं शासकीय कार्यक्रम आयोजित होते रहे हैं। इसे नए स्वरूप में विकसित किया जा रहा है, ताकि शहरवासियों को बेहतर और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा नगर निगम का प्रयास है कि इस ऐतिहासिक सभागार की गरिमा को ⏭शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

कन्या उमा विद्यालय अनंतपुर की छात्राओं का औद्योगिक भ्रमण

कोण्डागांव। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनंतपुर में व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे कक्षा 9वीं से 12वीं तक के ऑटोमोबाइल ट्रेड के छात्र–छात्राओं का एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण 13 जनवरी को जयदेव मारुति सुजुकी सर्विस सेंटर, उमरकोट ओडिशा में हुआ इस भ्रमण में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर वाहन तकनीक से जुड़ी व्यवहारिक जानकारियाँ प्राप्त कीं। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को मारुति सुजुकी कारों की सर्विसिंग प्रक्रिया, इंजन जांच, ब्रेक सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक डायग्नोस्टिक, विभिन्न मॉडलों की संरचना तथा मेंटेनेंस से जुड़ी तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी गई। छात्रें ने कार्यशाला को करीब से देखकर ऑटोमोबाइल क्षेत्र की वास्तविक कार्यप्रणाली को समझा। विद्यालय के प्राचार्य दिलीप कुमार कोमरे ने बताया कि व्यावसायिक शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्रें को रोजगार और स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना है। ऐसे औद्योगिक भ्रमण से बच्चों को अपने भविष्य के करियर को समझने और सही दिशा चुनने में मदद मिलती है।

श्रीमद्भागवत कथा, महायज्ञ का 27 से भव्य आयोजन

कोण्डागांव। समीपस्थ ग्राम नेवता के बाजारपारा मोहल्ले में आगामी 27 जनवरी से 2 फरवरी तक सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा एवं 7 कुंडलीय महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे गांव एवं आसपास के क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बन गया है। कथा वाचन के लिए संत लक्ष्मण महाराज श्रीधाम वृंदावन आएंगे। समिति के अनुसार प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक कथा होगी। रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक भजन–कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शुभारंभ 27 जनवरी को प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक भव्य कलश यात्रा के साथ किया जाएगा।

एनएसएस कैंप में केशकाल पुलिस का सायबर जागरुकता अभियान

केशकाल। पुलिस अधीक्षक जिला कोण्डागांव श्री पंकज चन्द्रा (भापुसे) के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव कौशलेन्द्र देव पटेल एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशकाल अरुण नेताम के मार्गदर्शन में थाना केशकाल पुलिस द्वारा नवीन आपराधिक कानून, महिला अपराध यातायात नियम, नशामुक्ति एवं विशेष तौर पर सायबर अपराध के बारे में शासकीय कन्या अवसर माध्यमिक विद्यालय केशकाल के द्वारा आयोजित में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत लगाए गए कैंप में उपस्थित बालक बालिकाओं को जागरूक करने के लिए थाना केशकाल के द्वारा लगातार सायबर जागरूकता अभियान चलाई जा रही है।
इसी परिपेक्ष्य में आज 16 जनवरी को नगर पंचायत के गढ़सिलयारा में लगाए एनएसएस कैम्प में निरीक्षक विकास बघेल द्वारा कैम्प में उपस्थित बालक बालिका, संस्था प्रमुख शिक्षकगण, वार्ड पार्षद आगनबाड़ी सहायिका, ग्राम मितानिन व सभी वार्ड वासी को सायबर अपराध एवं सायबर अपराधों से खुद को बचाने के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया।

बस्तर पंडुम 2026 के जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का होगा शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा आदिवासी परंपराओं, लोककलाओं एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बस्तर अंचल की समृद्ध लोकसंस्कृति को मंच प्रदान करने हेतु बस्तर पंडुम 2026 का आयोजन किया जा रहा है। कोंडागांव जिले में बस्तर पंडुम 2026 का आयोजन ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, जिला एवं संभाग स्तर पर तीन चरणों में किया जाएगा। इसमें जिले की 12 प्रमुख पारंपरिक विधाओं से जुड़े कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रथम चरण के अंतर्गत जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं निर्धारित तिथियों में आयोजित होंगी कोंडागांव ऑडिटोरियम 15 से 17 जनवरी 2026, माकडी मंडी प्रांगण 15 से 16 जनवरी 2026, फरसगांव सामुदायिक भवन, जनपद पंचायत परिसर 15 से 16 जनवरी 2026, केशकाल सुरडोंगर मैदान 19 से 20 जनवरी 2026 बड़ेराजपुर हाई स्कूल मैदान, मारंगपुरी 19 से 20 जनवरी 2026।

लोककला एवं परंपराओं के संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार की पहल

जिला स्तरीय प्रतियोगिता 24 से 29 जनवरी तक

द्वितीय चरण में 24 से 29 जनवरी 2026 तक जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमें प्रत्येक विजेता दल को 20,000 रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। मूल्यांकन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय चयन समिति गठित की जाएगी।

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में मिलेगा 50 हजार तक का पुरस्कार

तृतीय एवं अंतिम चरण में 6 से 8 फरवरी 2026 तक संभाग स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें प्रथम पुरस्कार 50,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 30,000 रुपये, तृतीय पुरस्कार 20,000 रुपये अन्य प्रतिभागियों को 10,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

प्रथम चरण में 10 हजार की पुरस्कार राशि

जनपद स्तरीय प्रतियोगिता के प्रत्येक विजेता दल को 10,000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही प्रतिभागी दलों को प्रमाण पत्र एवं फोटो फ्रेम देकर सम्मानित किया जाएगा।

छात्रावासों को सुरक्षित, स्वच्छ और सकारात्मक बनाने पर जोर

कलेक्टर ने ली आश्रम छात्रावास अधीक्षकों की समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने बुधवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के सभी आश्रम छात्रवासों के अधीक्षकों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में छात्रवासों की व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए उन्हें सुव्यवस्थित, स्वच्छ एवं बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

- बच्चों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश

कलेक्टर ने कहा कि बच्चों को नवाचार एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़कर छात्रवास परिसरों को सुसज्जित किया जाए, ताकि बच्चों का परिसर से जुड़ाव बढ़े। उन्होंने कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से कलाकृतियों के निर्माण हेतु बच्चों को प्रेरित करने पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में कलेक्टर ने मेन्यूचार्ट के अनुसार पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही सभी छात्रवासों में उपलब्ध कंप्यूटर को क्रियाशील रखने, इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने एवं बच्चों द्वारा इसके समुचित उपयोग को सुनिश्चित करने को कहा।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश

कलेक्टर ने कंप्यूटर कक्ष में जिले की वेबसाइट, व्यापम एवं अन्य उपयोगी वेबसाइटों की सूची चस्पा करने तथा बच्चों की पढ़ाई के लिए छोटे पुस्तकालय (लाइब्रेरी) की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही छात्रवास परिसरों में बागवानी एवं किचन गार्डन विकसित करने पर भी जोर दिया गया।

छात्रवास अधीक्षकों द्वारा किए जा रहे नवाचारी प्रयासों का 10 बिंदुओं के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा, जिसके अनुसार उत्कृष्ट गतिविधियों वाले छात्रवासों की वरीयता तय की जाएगी।

धान खरीदी, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

कोण्डागांव। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने गुरुवार को केशकाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम होनहेड़ स्थित प्री–मैट्रिक बालक छात्रावास भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन में आवश्यक मरम्मत एवं शेष निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों को दिए है। कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, होनहेड़ तथा ग्राम कुएंमारी स्थित स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर ओपीडी सेवाएं, प्रसव सुविधाएं एवं दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी ली। स्वास्थ्य केंद्र कुएंमारी में सोलर हीटर स्थापित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। दौरे के दौरान कलेक्टर ने हाईस्कूल एवं प्राथमिक शाला का निरीक्षण कर शैक्षणिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने हाई स्कूल परिसर में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फेंसिंग कराने तथा प्राथमिक शाला में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश शिक्षा विभाग को दिए।

ओण्डरी में लगा जिला स्तरीय पशु, कृषि एवं किसान मेला

कोण्डागांव। विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम ओण्डरी में पशु पालन विभाग द्वारा जिला स्तरीय पशु मेला–उत्सव, प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता तथा कृषि विभाग द्वारा जिला स्तरीय जैविक एवं तिलहन किसान मेला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने ग्राम ओण्डरी में सीसी सड़क निर्माण 200 मीटर, लागत 6 लाख रुपये एवं प्रज्ञा मण्डल के पास सांस्कृतिक भवन के जीर्णोद्धार लागत 2.50 लाख रुपये का भूमिपूजन किया।

विधायक ने अपने उद्बोधन में कहा कि पशुपालन एवं जैविक खेती किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। राज्य सरकार पशुपालन, जैविक खेती एवं तिलहन उत्पादन को प्रोत्साहित कर किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे मेलों के माध्यम से किसानों को नई तकनीकों, उन्नत नस्लों एवं शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त होती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। उन्होंने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की।

ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, जिला पंचायत सदस्य यशोदा कश्यप, नंदलाल राठौर, जनपद पंचायत माकड़ी अध्यक्ष जुगबती पोयाम, जिला पंचायत सदस्य रदमा बघेल, मेघलाल पोयाम सभापति, कृषि स्थायी समिति सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा जनपद पंचायत सदस्यगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन कार्यक्रम में शामिल हुए और मेले का लाभ लिया।

मालगांव में लाखों रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण

कोण्डागांव। जिले के समग्र विकास को गति देने की दिशा में बुधवार को बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कोंडागांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मालगांव में लगभग 15 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

ग्राम पंचायत मालगांव में अलेख महिमा आश्रम के पास सामुदायिक भवन निर्माण (लागत 5 लाख) तथा सीसी सड़क एवं पुलिया निर्माण कार्य (लागत 10 लाख) का भूमिपूजन व लोकार्पण किया गया। इन कार्यों से क्षेत्र में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आवागमन सुविधाओं को मजबूती मिलेगी।

सरस्वती साइकिल योजना से छात्राओं को राहत : कार्यक्रम के दौरान सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत मालगांव के 48 स्कूली छात्राओं को निःशुल्क साइकिल प्रदान की गई। साइकिल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने–जाने में सुविधा होगी और शिक्षा के प्रति उनकी सहभागिता बढ़ेगी। इस अवसर पर विधायक लता उसेंडी ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु निरंतर कार्य कर रही है। इन विकास कार्यों से क्षेत्र की जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और जीवन स्तर में सुधार आएगा।

ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, जिला पंचायत सदस्य नंदलाल राठौर, अनिता कोर्राम, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष टोमेन्द्र सिंह ठाकुर, जयसिंह शोरी, दीपेश अरोरा, जितेन्द्र सुराना, धनजू मरकाम, मोतीलाल पांडे, सावित्री पोयाम, सरपंच भुनेश्वर दास मानिकपुरी, उपसरपंच सोनू राम मरकाम, ग्राम पटेल हरी देवांगन, शक्ति केंद्र प्रभारी महेंद्र नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विधायक उसेंडी ने ग्राम दहिकोंगा में 76 छात्राओं को निःशुल्क सायकल वितरित की

कोण्डागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुश्री लता उसेंडी के मुख्य आतिथ्य में ग्राम दहिकोंगा में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए सायकल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, दहिकोंगा की 76 छात्रओं को राज्य शासन द्वारा संचालित सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत निःशुल्क सायकलें प्रदान की गईं। विधायक सुश्री लता उसेंडी ने अपने संबोधन में कहा कि बालिकाओं की शिक्षा समाज के विकास की आधारशिला है। सायकल मिलने से ग्रामीण क्षेत्रें की छात्रओं को विद्यालय आने–जाने में सुविधा होगी, जिससे उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित होगी और वे उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर होंगी।

जनप्रतिनिधि व ग्रामीण रहे उपस्थित – इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, जनपद सदस्य मोमबत्ती बघेल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बाल सिंह बघेल, लुभा सिंह नाग, हितेंद्र झा, महेंद्र पारेख, झूमक दीवान, संतोष पात्रे सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी–कर्मचारी, शिक्षकगण, विद्यार्थी, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर डीएनके कॉलोनी में निकाली गई प्रभातफेरी

कोण्डागांव। स्वामी विवेकानंद की जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर डी.एन.के. कॉलोनी स्थित रामकृष्ण विवेकानंद सेवा समिति के तत्वावधान में भव्य प्रभात फेरी रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी, सदस्य, पूर्व सैनिक, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के पदाधिकारी, निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवक–युवतियां तथा स्कूली बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए।

प्रातः 8 बजे प्रभात फेरी समिति परिसर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख चौक–चौराहों से गुजरते हुए पुनः मंदिर प्रांगण में समाप्त हुई। रैली

के दौरान "स्वामी विवेकानंद अमर रहें और भारत माता की जय के गगनभेदी नारों से पूरा क्षेत्र देशभक्ति और युवा ऊर्जा से सराबोर हो गया। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर उपस्थित युवाओं ने स्वामी विवेकानंद के जीवन, विचारों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने आत्मविश्वास, अनुशासन और सेवा भावना को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रसाद वितरण किया गया और सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजन का समापन हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए रामकृष्ण विवेकानंद सेवा समिति ने अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के संरक्षक एवं बस्तर संभाग प्रभारी सुब्रत साहा, जिला अध्यक्ष सूरज यादव, कोषाध्यक्ष सोमेश्वर भारती, सदस्य श्रीकांत तिवारी एवं ढालेश साहू का विशेष आभार व्यक्त किया।

सड़क सुरक्षा माह के तहत विद्यार्थियों को दी गई यातायात नियमों की जानकारी

कोण्डागांव। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत परिवहन विभाग एवं यातायात विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय आईटीआई कॉलेज, कोंडागांव में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के छात्र–छात्राओं को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई और सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाया गया। विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए शपथ दिलाई गई, जिससे वे जिम्मेदार नागरिक बन सकें। पाम्पलेट, नारों एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का उपयोग, गति सीमा का पालन एवं नशे में वाहन न चलाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

18 कर्मचारियों के वेतन आहरण पर रोक, आवास निर्माण में तेजी के निर्देश

कोण्डागांव। जिला पंचायत कोण्डागांव के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई ने 8 जनवरी को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत संचालित आवास निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर 18 ग्राम पंचायत सचिवों, तकनीकी सहायक दुर्गेश मरकाम तथा विकासखण्डक जागेश्वर भवानी के वेतन आहरण पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही विकासखण्ड समन्वयक रवींद्र शोरी एवं हेमंत कुमार साहू को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश जनपद सीईओ को दिए गए।

- पीएम आवास योजना में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई

सीईओ अविनाश भोई ने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य पात्र ग्रामीण परिवारों को समयबद्ध रूप से पक्का आवास उपलब्ध कराना है। इस योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं होगी। सीईओ ने निर्देश दिए कि सभी प्रकार की लंबित किश्तों को तत्काल हितग्राहियों के बैंक खातों में हस्तांतरित किया जाए। प्रथम किश्त प्राप्त सभी आवासों को 31 मार्च 2026 तक हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

नीति आयोग की टीम ने कोंडागांव जिले के हायर सेकेंडरी स्कूलों का किया दौरा

स्मार्ट क्लासेज की गुणवत्ता परखी गई, डिप्टी कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कोण्डागांव। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता और डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग को परखने के लिए 15 जनवरी को डिप्टी कलेक्टर किशोर शर्मा के नेतृत्व में नीति आयोग की टीम द्वारा स्मार्ट क्लासेज का व्यापक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सरकारी स्कूलों में उपलब्ध कराए गए डिजिटल उपकरणों का सही और नियमित उपयोग हो रहा है या नहीं। निरीक्षण दल में डिप्टी कलेक्टर किशोर शर्मा, नीति आयोग के अधिकारी सौरभ राज एवं रकीब अली शामिल रहे। टीम ने स्कूलों में स्मार्ट क्लास के उपकरण, इंटरनेट कनेक्टिविटी, कंटेंट उपयोग और शिक्षकों द्वारा डिजिटल माध्यम से पढ़ाई की स्थिति की जानकारी ली।

इन स्कूलों में किया गया निरीक्षण – टीम ने जिले के विभिन्न हायर सेकेंडरी स्कूलों का दौरा कर स्मार्ट क्लास की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। जिनमें प्रमुख रूप से हायर सेकेंडरी स्कूल संबलपुर, हायर सेकेंडरी स्कूल बम्हनी, हायर सेकेंडरी स्कूल मड़ानार, हायर सेकेंडरी स्कूल सोनवाल, हायर सेकेंडरी स्कूल गोलावंड, हायर सेकेंडरी स्कूल मर्दापाल शामिल रहे।

डिजिटल पढ़ाई की स्थिति का लिया फीडबैक – निरीक्षण के दौरान टीम ने कक्षाओं में जाकर छात्रें से संवाद किया और यह जाना कि स्मार्ट क्लास से उन्हें पढ़ाई में कितनी मदद मिल रही है। शिक्षकों से भी डिजिटल कंटेंट के उपयोग, नियमित क्लास संचालन और तकनीकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई। डिप्टी कलेक्टर किशोर शर्मा ने स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों को निर्देश दिए कि स्मार्ट क्लासेज का नियमित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी आधुनिक शिक्षा का पूरा लाभ मिल सके। जहां तकनीकी दिक्कतें सामने आईं, वहां संबंधित विभाग को शीघ्र सुधार के निर्देश दिए गए।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर जोर

नीति आयोग की टीम ने कहा कि स्मार्ट क्लास केवल उपकरण नहीं, बल्कि शिक्षण पद्धति में बदलाव का माध्यम है। इसका उद्देश्य बच्चों को –श्य–श्रव्य माध्यम से बेहतर समझ देना और उनकी सीखने की रुचि बढ़ाना है। इसके लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण और नियमित मॉनिटरिंग बेहद जरूरी है। इस संयुक्त निरीक्षण से यह स्पष्ट हुआ कि कोंडागांव जिले में स्मार्ट क्लासेज को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन गंभीर है। आने वाले समय में इससे ग्रामीण क्षेत्रें के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और डिजिटल इंडिया की सोच को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी।

पेज 9 के शेष

नक्सलमुक्त बस्तर के...

अभियानों एवं कोहकामेटा-कच्चापाल-परियादी एक्सिस तक सड़क निर्माण कार्य में सुरक्षा प्रदान करने एवं विकास कार्यों में सहयोग पहुंचाने के उद्देश्य से पुलिस ने घोर नक्सल प्रभावित माड़ क्षेत्र माओवादियों के आश्रय स्थल ग्राम वाड़ापेंदा में नवीन कैम्प स्थापित किया गया है। ग्राम वाड़ापेंदा में नवीन कैम्प स्थापित होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में काफी उत्साह एवं सुरक्षा का माहौल बना हुआ है। नवीन कैम्प वाड़ापेंदा थाना कोहकामेटा क्षेत्रान्तर्गत स्थित है। जिला मुख्यालय नारायणपुर से 60 किलोमीटर थाना कोहकामेटा से 32 किलोमीटर, कच्चापाल से 23 किलोमीटर, कोडनार से 12 किलोमीटर और जटवर से 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इससे पूर्व नारायणपुर पुलिस ने वर्ष 2025 में नक्सलियों के अघोषित राजधानी कुतुल सहित कोडलियार, बेड़माकोटी, पदमकोट, कंडुलपार, नेलांगुर, पांगूड़, रायनार, एडजूम, ईदवाया, आदेर, कुड़मेल, कोंगे, सितरम, तोके, जाटलूर, धोबे, डोडीमरका, पदमेटा, लंका, परियादी, काकुर, बालेबेड़ा, कोडेनार, कोडनार, आदिनपार और मन्दोड़ा में नवीन सुरक्षा एवं जन सुविधा कैंप स्थापित कर चुकी है। वर्ष 2026 में कोहकामेटा थाना क्षेत्र के जटवर में पहला और वाड़ापेंदा में दूसरा नवीन सुरक्षा एवं जन सुविधा कैंप स्थापित किया गया है।

तीन वाहनों से 228...

को बिना नंबर प्लेट के ट्रैक्टर में 33 कट्टा मोटा धान परिवहन करते हुए पकड़ा गया। मंडी अधिनियम 1972 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर प्रशासन ने धान और वाहन को अपनी अभिरक्षा में ले लिया। वहीं 11 जनवरी को ही एक अन्य टीम ने एर्राबोर रास्ते पर घेराबंदी कर सोयम संजू निवासी एर्राबोर के महिंद्रा पिकअप को रोका। बिना नंबर प्लेट वाले इस वाहन में 70 कट्टा धान लोड था। वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर जब्ती की कार्रवाई की गई। वहीं 15 जनवरी की रात को बंडा रोड पर मुचाकी गोपी निवासी चिंतूर द्वारा बिना नंबर प्लेट के ट्रैक्टर में ले जाया जा रहा 125 कट्टा धान पकड़ा गया। मंडी अधिनियम के तहत अवैध पाए जाने पर जब्त कर लिया गया। अवैध परिवहन के खिलाफ इस पूरी मुहिम का नेतृत्व एसडीएम सुभाष शुक्ला ने किया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार गिरीश निंबालकर, टीआई सलीम खाखा, फूड इंस्पेक्टर और अन्य विभागीय कर्मचारी मौके पर तैनात रहे।

गुणवत्ता और समयबद्धता...

बनाए रखते हुए इसे आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाए। गुणवत्ता और समयबद्धता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान महापौर ने निर्माण एजेंसी और कर्मचारियों से कहा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार हों तथा समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। वर्तमान में टाउन हॉल में संरचनात्मक सुधार, आवश्यक मरम्मत, आंतरिक उन्नयन, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। महापौर ने कहा कि मरम्मत एवं उन्नयन कार्य पूर्ण होने के बाद यह स्थल पुनः शहर की सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। इसके बाद वे प्रस्तावित क्रिकेट बॉक्स यूनिट निर्माण कार्य स्थल पहुंचे। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व ही इस कार्य का भूमिपूजन प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव ने किया था। यह निर्माण कार्य डीएमएफटी मद अंतर्गत नगर निगम कर रहा है, जिसकी लागत लगभग 20 लाख रुपये है। इस अवसर पर महापौर ने कहा नगर निगम शहर में खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। क्रिकेट बॉक्स यूनिट के निर्माण से स्थानीय युवाओं को अभ्यास और प्रशिक्षण के लिए बेहतर एवं सुरक्षित सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इस दौरान एमआईसी सदस्य निर्मल पानीग्राही, सुरेश गुप्ता, नगर निगम आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा, ईई गोपाल भारद्वाज, इंजीनियर प्रवीण पोयाम मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

डाइट बस्तर में योग शिविर

घाटलोहंगा। डाइट बस्तर में 12 जनवरी से 16 जनवरी तक योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बस्तर व कोंडागांव के 67 शिक्षकों ने भाग लिया, जिनका प्रशिक्षण 3 योगा ट्रेनर्स द्वारा दिया गया। इस दौरान राजेंद्र जोशी व्याख्याता समन्वयक, प्रिंसिपल डॉ. दंडसेना, वाइस प्रिंसीपल डॉ. जॉन मौजूद रहे।

शाला में विद्यार्थियों को करवाया न्योता भोज

भानपुरी। क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी नवीन चरण पारख ने अपना 80 वां जन्मदिन स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ हर्षोल्लास में मनाया। इस अवसर पर न्योता भोज कार्यक्रम का आयोजन माध्यमिक शाला फरसागुड़ा मे किया गया। शुक्रवार को उनके जन्मदिन पर उनकी पुत्री ममता पारख ने यह कार्यक्रम किया। सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा में दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। केक काटकर खुशी के वातावरण में सभी स्कूली छात्र-छात्राओं को भोजन परोसा गया। अपने जन्मदिन के अवसर पर पारख ने खुशी का माहौल देख भाव विभोर हो गए। उन्होंने कहा कि इतना प्यार आज मुझे जो मिला वह मेरे जीवन का अविस्मरणीय है। सभी बच्चों और शाला परिवार के लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर माध्यमिक शाला की प्रधानाध्यापिका नीलमणि तिग्गा, देवेन्द्र पाणिग्रही, कौशल पांडे, संजय तिवारी, शिवराम बघेल, देवराज सोलंकी, कुमारी भारती सहित पारख परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

सब्जी उत्पादन की आधुनिक तकनीक को शिवराज ने अपनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

जिले के गीदम विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम मड़से के प्रगतिशील कृषक शिवराम वेक ने उद्यानिकी विभाग की सहायता से आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी कृषि को एक नई दिशा प्रदान की है।

सब्जी उत्पादन में बढ़ोतरी के उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 2024-25 में विभागीय मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग से 1000 वर्ग मीटर क्षमता का शेडनेट स्थापित कर उसमें बरबट्टी की उच्च उपज वाली किस्मों का सफल उत्पादन प्रारंभ किया। शेडनेट निर्माण से

भरपूर उत्पादन और अच्छी आय पाया

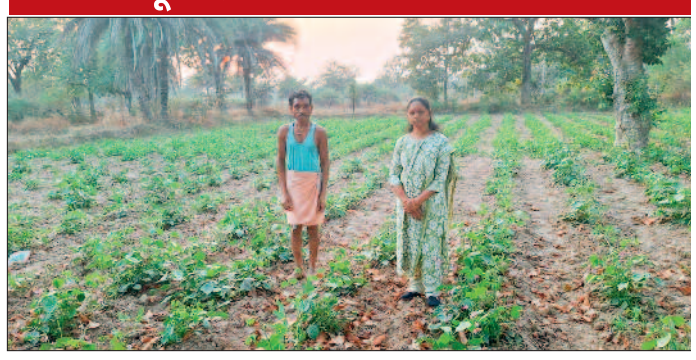

आय में बढ़ोतरी एवं सामाजिक प्रेरणा

वर्तमान में शिवराम वेक की मेहनत और नई तकनीक अपनाने की इच्छाशक्ति ने उन्हें गांव के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बना दिया है। आज वे अपनी उत्पादित सब्जियों को सीधे स्थानीय हाट-बाजार एवं थोक विक्रेताओं तक पहुंचाते हैं, जिससे बिचौलियों पर निर्भरता कम हुई और आय में वृद्धि हुई। शेडनेट एवं सब्जी उत्पादन से उनकी मासिक आय में लगभग 8,से 12 हजार की लगातार वृद्धि दर्ज हुई।

तापमान नियंत्रण, कीट सुरक्षा, नमी प्रबंधन का लाभ सब्जियों को देते हुए उन्होंने ड्रिप सिंचाई पद्धति का प्रयोग करते हुए बरबट्टी की फसल को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया। नियंत्रित परिस्थितियों के कारण पौध वृद्धि तेज हुई तथा उत्पादन सामान्य खुले खेत की तुलना में लगभग 35-40 प्रतिशत अधिक प्राप्त हुआ। शेडनेट में तैयार हरी बरबट्टी स्थानीय बाजार में उच्च दर पर विक्रय हुई, जिससे कृषक शिवराम वेक को नियमित नकद आय प्राप्त होती रही। इसके पश्चात शिवराम वेक ने 0.20 हेक्टेयर खुले क्षेत्र में सेम की फसल भी लगाई। गुणवत्ता आधारित पौध, समय पर जैविक खाद, ट्रेलिस विधि का उपयोग तथा मौसम अनुसार सिंचाई प्रबंधन से सेम की बेलों में अत्यधिक फलन हुआ। फसल की उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ स्थानीय बाजार में सेम की मांग अधिक होने से प्रति चक्र उन्हें अच्छी आर्थिक प्राप्ति हुई। सेम उत्पादन से एक सीजन में लगभग 15 से 20 हजार की अतिरिक्त आय प्राप्त होना उन्हें सुनिश्चित हुआ। कुल मिलाकर बाजार से जोड़ते हुए नियमित सलाह इन सेवाओं के कारण शिवराम वेक की खेती पारंपरिक पद्धतियों से निकलकर आधुनिक, वैज्ञानिक एवं लाभकारी बन गई।

जिले के चारों विकासखंडों में बस्तर पंडुम का हुआ आगाज

हमारी सांस्कृतिक पहचान से ही बनेगा मजबूत समाज : अटामी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

बस्तर की समृद्ध जनजातीय लोक-संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित बस्तर पंडुम 2026 का शुभारंभ आज जिले के सभी विकासखंड दंतेवाड़ा, गीदम, कुआकोंडा एवं कटेकल्याण स्तरों से भव्य रूप से प्रारंभ हुआ। यह आयोजन निर्धारित दिवसों तक विकासखंड स्तर पर लगातार आयोजित किया जाएगा।

- पारंपरिक उत्सव के साथ विधायक एवं जनप्रतिनिधियों ने किया शुभारंभ

इस क्रम में विकासखंड कटेकल्याण में बस्तर पंडुम के आयोजन में शिरकत करने पहुंचे विधायक चैतराम अटामी ने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कहा कि अपनी जड़ों और परंपराओं को जीवित रखना केवल सांस्कृतिक दायित्व ही नहीं, बल्कि हमारी पहचान को मजबूत करने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे उत्सव नई पीढ़ी में अपनी संस्कृति के प्रति गर्व और जुड़ाव की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। अपने उद्बोधन में विधायक ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि बस्तर पंडुम जैसे आयोजन तीज-त्यौहार, पारंपरिक खानपान, बोली-भाषा, वेशभूषा और रीति-रिवाजों को संरक्षित एवं संवर्धित करने का महत्वपूर्ण मंच हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में जहां पारंपरिक कला और लोक-संस्कृति धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है, वहीं ऐसे आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जनजातीय परंपराओं की समृद्ध विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। बस्तर पंडुम जैसे सांस्कृतिक उत्सव न केवल स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देते हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने कहा कि बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर पूरे प्रदेश की पहचान है, और इसे संरक्षित व प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे आयोजन बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम न केवल स्थानीय परंपराओं को एक नया मंच प्रदान करता है, बल्कि युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का अवसर भी देता है। ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को पहचान दिलाने, पारंपरिक कला, नृत्य और संगीत को आगे बढ़ाने तथा सामाजिक एकता को मजबूत बनाने में इस उत्सव की अहम भूमिका है। उन्होंने सभी ग्राम वासियों से मिलकर इस सांस्कृतिक विरासत को संजोने की अपील की।

इसके साथ ही अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बस्तर पंडुम न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर का गौरव है, बल्कि आदिवासी कला, लोकनृत्य, हस्तशिल्प और पारंपरिक खेलों को मंच प्रदान कर उन्हें नई पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। विकासखंडों में आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, कलाकार, महिला समूह और युवा उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। पारंपरिक वाद्य-यंत्रों की गूंज, लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुति और जनजातीय संस्कृति की रंगीन झलक से पूरा क्षेत्र उत्सवमय हो गया है। ज्ञात हो कि बस्तर पंडुम में पंजीयन जिसमें दंतेवाड़ा विकासखंड में अब तक 6,500 प्रतिभागियों ने, गीदम विकासखंड में 7,113 प्रतिभागियों ने, कुआकोंडा में 6,495 प्रतिभागियों ने तथा कटेकल्याण विकासखंड में 6,000 से अधिक लोगों ने पंजीयन कराया है। इस दौरान सभी जनपद पंचायत के सीईओ सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि,ग्रामीण जन मौजूद थे।

जिले में शौर्य स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ दन्तेवाड़ा

अमर शहीदों की स्मृति में दन्तेवाड़ा पुलिस ने सामुदायिक पुलिसिंग के तहत शहीद हुये जवानों की स्मृति में शौर्य स्मृति क्रिकेट लीग का आज दूसरा दिन है।

इस दौरान मुख्य अतिथि 2 आईसी विवेक कुमार सिंह सीआरपीएफ के गरिमामय उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर उप पुलिस अधीक्षक नसरूल्ला सिद्दकी, रक्षित निरीक्षक सुशील नौटियाल और बड़ी संख्या में खिलाडी, क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे।

टूर्नामेंट के दूसरे दिन का प्रथम मैच फ़रसपाल ए एवं दंतेवाड़ा बी के मध्य खेला गया। जिसमें फ़रसपाल ए ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। दंतेवाड़ा बी ने 93 रन का लक्ष्य दिया। फ़रसपाल ए की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 9 ओवर में ही 94 रन बनाकर मैच को जीत गए। इस मैच के मेन ऑफ़ द मैच विष्णु रहे जिन्होंने 20 रन बनाये व 2 विकेट लिए। प्रतियोगिता का दूसरा मैच मालवाही ए एवं डीआरजी के मध्य खेला गया। जिसमें मालवाही ए ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। डीआरजी की टीम ने 137 रन का लक्ष्य दिया। जिसको पीछा करते हुए मालवाही ए की पूरी टीम 64 रन में ऑल आउट हो गई। इस मैच के मैन ऑफ द मैच यशवंत पोयाम रहे। जिन्होंने टीम की जीत में 41 रन एवं 3 विकेट लिए। इसके पश्चात दिन का अंतिम मैच फ़रसपाल ए एवं डीआरजी के मध्य खेला गया। जिसमें फ़रसपाल ए ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। डीआरजी के टीम ने 104 रन का लक्ष्य दिया। फ़रसपाल ए की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 8.4 ओवर में ही 105 रन बनाकर मैच को जीत गए। इस मैच के मेन ऑफ द मैच शैलेन्द्र रहे, जिन्होने 33 रन एवं 2 विकेट लिए और टीम ने जीत हासिल करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

देश की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में बल के योगदान को बताया महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्टा

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सीआरपीएफ की 50वीं वाहिनी का 57वाँ वर्षगांठ 15 जनवरी को इंजराम, स्थित मुख्यालय में हर्षोल्लास, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आनन्द सिंह राजपुरोहित उपमहानिरीक्षक परिचालन रेंज सुकमा एवं राजेश पाण्डेय

- सीआरपीएफ मुख्यालय में 57वां वर्षगांठ हर्षोल्लास के साथ मनाया

उपमहानिरीक्षक परिचालन रेंज कोंटा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर वाहिनी परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला अधिकारी एवं जिला पुलिस अधीक्षक सहित अन्य नागरिक एवं प्रशासनिक अधिकारी, सीआरपीएफ के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, जवान तथा उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत द्वितीय कमान अधिकारी दुर्गा राम द्वारा किया गया। उन्होंने अतिथियों का अभिवादन करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। 50वीं वाहिनी सीआरपीएफ की स्थापना 15 जनवरी 1969 को नीमच मध्य प्रदेश में की गई थी। स्थापना के पश्चात से अब तक वाहिनी ने देश के विभिन्न संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी सेवाएँ दी हैं। वाहिनी ने जम्मू एवं कश्मीर, गुजरात, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, नागालैंड, मणिपुर, असम एवं झारखंड सहित देश के लगभग सभी हिस्सों में आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, चुनाव ड्यूटी एवं अन्य परिचालन दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। वाहिनी ने 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान पंजाब में कानून-व्यवस्था बनाए रखने एवं उग्रवाद-रोधी अभियानों में कार्य किया। इसके अतिरिक्त, वाहिनी ने जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवाद-रोधी तथा उत्तर-पूर्वी राज्यों और में उग्रवाद-निरोधक अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में वाहिनी छत्तीसगढ़ में तैनात रहकर नक्सल विरोधी अभियानों सहित विभिन्न प्रकार के सुरक्षा दायित्वों का कुशलता से निर्वहन कर रही है।

राष्ट्रीय एकता व सांस्कृतिक विविधता का दिया संदेश

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे आनन्द सिंह राजपुरोहित उपमहानिरीक्षक परिचालन रेंज सुकमा एवं राजेश पाण्डेय उपमहानिरीक्षक परिचालन रेंज कोंटा ने अपने संबोधन में राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने में 50वीं वाहिनी के कार्मिकों द्वारा दिए जा रहे योगदान की सराहना की। उन्होंने वाहिनी के अनुशासन, साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि बल का योगदान देश की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। समारोह के दौरान तेलुगु एवं जनजातीय नृत्य, भांगड़ा, जादू प्रदर्शन, डिजिटल अरेस्ट आदि विषयों पर जागरूकता आधारित नाट्य प्रस्तुति सहित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक विविधता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर 50वीं वाहिनी के कमांडेंट प्रेमजीत कुमार ने कार्यक्रम में पधारे समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा 57वाँ वर्षगांठ के अवसर पर वाहिनी के सभी अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, जवानों एवं उनके परिजनों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी । समारोह का समापन राष्ट्रभक्ति, गौरव एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। जिसमें वाहिनी के कार्मिकों ने निष्ठा साहस एवं समर्पण के साथ देश सेवा और छत्तीसगढ़ को 31 मार्च 2026 से पहले नक्सल-मुक्त बनाने का प्रण लिया।

उष्णकटिबंधीय तसर रेशम उत्पादन पर जागरूकता कार्यक्रम

बस्तर। केंद्रीय रेशम बोर्ड के बेसिक सीड मल्टीप्लिकेशन एंड ट्रेनिंग सेंटर सीएसबी-बीएसएमटीसी बस्तर में उष्णकटिबंधीय तसर रेशम उत्पादन पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 60 से अधिक कृषकों ने भाग लिया। जिन्होंने तसर रेशम उत्पादन में नवीनतम विकास और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रोशन चंद्राकर, उप संचालक रेशम, एनके. मार्सकुले, सहायक संचालक रेशम, पूर्व फील्ड अधिकारी रिज़वी, डॉ. बी. तिरुपम रेड्डी, वैज्ञानिक-सी और सुनील कुमार पारिच्छ, एसटीए, सीएसबी-आरएसआरएस जगदलपुर उपस्थित थे। सीएसबी-बीएसएमटीसी बस्तर के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी उर्मिला नाग, ताहिर सिद्दीकी, और जी. गोपाल राव, एम. चंदेल, तकनीशियन भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने कृषकों के साथ विस्तृत चर्चा की और तसर रेशम उत्पादन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। विशेषज्ञों ने अपने ज्ञान और अनुभव को साझा किया, जिससे कृषकों को अपनी तसर रेशम उत्पादन प्रथाओं में सुधार करने के लिए मूल्यवान जानकारी मिली। डॉ. रेड्डी ने कार्यक्रम की सफलता पर संतोष व्यक्त किया और निदेशक डॉ. एनके भाटिया और टीम सीएसबी-बीटीएसएसओ बिलासपुर,और रेशम विभाग को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम सकारात्मक नोट पर संपन्न हुआ, जिसमें कृषकों ने बातचीत से लाभ उठाया और अपनी तसर रेशम उत्पादन गतिविधियों में नए ज्ञान और तकनीकों को लागू करने के लिए उत्सुक थे।

बस्तर पंडुम से जीवंत हुई आदिवासी संस्कृति

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में बस्तर संभाग की समृद्ध आदिवासी लोक-संस्कृति, परंपरा और विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित बस्तर पंडुम 2026 का शुभारंभ पूरे उत्साह और उमंग के साथ हो चुका है। इसी कड़ी में बीजापुर जिले के बीजापुर, भोपालपटनम एवं भैरमगढ़ विकासखंडों में ब्लॉक स्तरीय बस्तर पंडुम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। वहीं उसूर ब्लॉक में दो दिवसीय आयोजन किया जा रहा है।

संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित यह लोक-संस्कृति महोत्सव 10 जनवरी से 06 फरवरी 2026 तक जनपद, जिला एवं संभाग स्तर पर प्रतियोगात्मक स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव के माध्यम से बस्तर अंचल की लोककला, नृत्य, गीत-संगीत, पारंपरिक वेश-भूषा, आभूषण, वाद्य यंत्र, बोली-भाषा, शिल्प और जनजातीय जीवन-पद्धति को सहेजने और आगे बढ़ाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है।

बीजापुर जिले के चारों ब्लॉकों में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में स्थानीय लोक कलाकारों, कला दलों और ग्रामीण प्रतिभाओं ने सहभागिता की। पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, वाद्य यंत्रों की गूंज और जनजातीय वेश-भूषा ने पूरे आयोजन को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम स्थल पर ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों एवं संस्कृति प्रेमियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे आयोजन को जनउत्सव का स्वरूप मिला।

बस्तर पंडुम 2026 के अंतर्गत बस्तर संभाग के सातों जिलों की 1885 ग्राम पंचायतों से जुड़े 32 जनपद मुख्यालयों में 12 विधाओं पर आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। जनपद स्तर पर चयनित विजेता दलों को जिला एवं संभाग स्तर पर अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक स्तर पर कलाकारों को प्रोत्साहन राशि, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। राज्य शासन के निर्देशानुसार इस महोत्सव में केवल बस्तर संभाग के वास्तविक मूल निवासी जनजातीय कलाकारों को ही भाग लेने का अवसर दिया जा रहा है, जिससे बस्तर की लोक-संस्कृति की मौलिक पहचान बनी रहे। वरिष्ठ कलाकारों के साथ-साथ नवोदित प्रतिभाओं को मंच देकर नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का भी प्रयास किया जा रहा है। बीजापुर जिले में ब्लॉक स्तरीय सफल आयोजन से यह स्पष्ट है कि बस्तर पंडुम 2026 न केवल एक सांस्कृतिक प्रतियोगिता है, बल्कि बस्तर की आत्मा, परंपरा और लोक-जीवन को जीवंत रखने का एक सशक्त माध्यम भी है। आने वाले दिनों में जिला एवं संभाग स्तर पर होने वाले आयोजन बस्तर की लोक-संस्कृति को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

स्कूलों में होगा स्वीप मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

दंतेवाड़ा। विद्यालयों में बच्चों को जागरूक करने हेतु स्वीप मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें रंगोली, वाद-विवाद, निबंध, चित्रकला, नाटक-नुक्कड़ जैसे गतिविधियों के माध्यम से मतदान के महत्व की जानकारी दी जाएगी। जिन छात्र-छात्राओं की आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है या 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष पूर्ण होने वाली है, उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु बीएलओ एवं अभिहित अधिकारी द्वारा मौके पर ही प्रपत्र-6 भरवाया जाएगा। जिले के प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान में 19 एवं 20 जनवरी को यह कार्यक्रम आयोजित करना अनिवार्य किया गया है।

न्यायालय तहसीलदार लोहण्डीगुड़ा जिला बस्तर (छ.ग.)
// ईश्तहार//

रा.प्र.क्रं./202512151000227/ब-121/2025-26

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक तुली पिता जनक दास जाति मुरिया ग्राम महिमा तहसील लोहण्डीगुड़ा जिला बस्तर छ.ग. द्वारा इस न्यायालय में आवेदक अपने स्वंय का शासकीय कार्य हेतु जन्म प्रमाण पत्र बनाना चाहता है। आवेदक अपने स्वंय तुली पिता जनकदास का जन्म दिनांक 04/01/1988 को दर्शाया गया।

जिसकी पेशी दिनांक 19/01/2026 को नियत किया गया है, वह उद्घोषणा ग्राम पंचायत महिमा के सूचना पटल में देखा जा सकता है। अर्थात उपरोक्त आवेदन पत्र के तारतम्य में जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति ग्रामवासी पंचायत को किसी भी तरह की कोई आपत्ति है, तो यह उद्घोषणा जारी नियत तिथि के भीतर इस कार्यालय को आपप्ति प्रस्तुत कर सकता है। समय उपरांत प्राप्त आपप्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

जारी दिनांक 05/01/2026

मुहर — तहसीलदार लोहण्डीगुड़ा जिला बस्तर

न्यायालय तहसीलदार लोहण्डीगुड़ा जिला बस्तर (छ.ग.)
// ईश्तहार//

रा.प्र.क्रं./202601151000030/ब-121/2025-26

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अन्तुराम कश्यप पिता मीठूराम कश्यप उम्र 42 जाति माड़िया ग्राम चित्रकोट तहसील लोहण्डीगुड़ा जिला बस्तर छ.ग. द्वारा इस न्यायालय में आवेदक अपने स्वंय का जन्म प्रमाण पत्र शासकीय कार्य हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसमें आवेदक अपने स्वंय अन्तुराम कश्यप पिता मीठूराम कश्यप का जन्म दिनांक 20/04/1983 दर्शाया गया है।

जिसकी पेशी 23/01/2026 को नियत किया गया है, वह उद्घोषणा ग्राम पंचायत चित्रकोट के सूचना पटल में देखा जा सकता है। अर्थात उपरोक्त आवेदन पत्र के तारतम्य में जन्म प्रमाण पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति ग्रामवासी पंचायत को किसी भी तरह की कोई आपत्ति है, तो यह उद्घोषणा जारी नियत तिथि के भीतर इस कार्यालय को आपप्ति प्रस्तुत कर सकता है। समय उपरांत प्राप्त आपप्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

जारी दिनांक 09/01/2026

मुहर — तहसीलदार लोहण्डीगुड़ा जिला बस्तर

न्यायालय नायब तहसीलदार लोहण्डीगुडा जिला बस्तर (छ.ग.)
// उद्घोषणा //

राजस्व प्रकरण क्रं./ बी-121/202512151700006/71/2025-26
ग्राम मिचनार प.ह.नं. 20

एतद् द्वारा के ग्राम मिचनार के आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक श्री अनिल कुमार पिता स्व. धनसिंह, जाति रावत, निवासी ग्राम मिचनार के द्वारा वारिसान प्रमाण पत्र के संबंध में आवेदन मय अन्य दस्तावेज कलेक्टर महोदय के न्यायालय में पेश करने पर जाँच प्रतिवदेनार्थ हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) लोहण्डीगुड़ा के माध्यम से इस न्यायालय को प्रेषित किया गया है। आवेदक के पिता स्व. धनसिंह पिता स्व. बैसाखु बालक आश्रम बारूपाटा तहसील तोकापाल में भृत्य के पद पर पदस्थ थे। सेवाकाल के दौरान उनकी मृत्यु दिनांक 13/10/2025 हो गया। आवेदक अपने पिता के जमा स्वत्वों एवं अनुकंपा नियुक्ति हेतु वारिसान प्रमाणपत्र बनाना चाहते हैं। जिनका प्रकरण इस न्यायालय में विचारधीन है। जिसकी पेशी तिथि 22/01/2026 को नियत है। यदि किसी को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो अपने अभिभाषक अथवा अधिवक्ता के माध्यम से निर्धारित अवधि तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयोपरान्त किसी के भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से उदघोषणा जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार लोहण्डीगुड़ा

खबर संक्षेप

आयुष और भूमि बिना सहारे चल फिर रहे

जगदलपुर। बस्तर जिले में समग्र शिक्षा अभियान के तहत संचालित समावेशी शिक्षा योजना अब विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए उम्मीद की एक नई किरण बनकर उभरी है।
कुम्हारपारा स्थित सक्षम संस्था में दिव्यांग छात्रों को निःशुल्क सेवाएं प्रदान की जा रही हैं वहीं विशेषज्ञों की देखरेख में बच्चों के जीवन में बदलाव आ रहे हैं। यहां फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी और बौद्धिक निशक्तता से जूझ रहे बच्चों को अत्याधुनिक और संवेदनशील देखभाल मिल रही है।
एक प्रेरणादायक कहानी 8 वर्षीय आयुष की है। सेरेब्रल पाल्सी जैसी गंभीर चुनौती का सामना कर रहे आयुष को जब उनकी मां बबीता पहली बार केंद्र लाई थीं, तब स्थिति काफी कठिन थी। आयुष के दोनों हाथ और पैर अकड़ गए थे और मांसपेशियों में इतनी कमजोरी थी कि वह न तो अपनी गर्दन संभाल पाता था और न ही करवट ले पाता था। बड़े शहरों के डॉक्टरों ने फिजियोथेरेपी की सलाह दी थी। जिला संसाधन केंद्र में फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मतिउर रहमान की देखरेख में आयुष का नियमित इलाज शुरू हुआ। निरंतर प्रयासों का परिणाम यह है कि आज आयुष न केवल अपने घुटनों के बल चल सकता है और बैठ सकता है, बल्कि सहारे के साथ खड़ा होने का प्रयास भी करने लगा है।
इसी तरह 3 वर्षीय नन्हीं बालिका भूमि की कहानी भी इस केंद्र के प्रयासों को सार्थक सिद्ध करती है। सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित भूमि, जिसकी मां का नाम ममता है, महज डेढ़ साल की उम्र से यहां फिजियोथेरेपी के लिए आ रही है। जन्म के एक साल बाद तक भूमि न करवट ले पाती थी और न ही उठने की कोशिश करती थी। यहाँ तक कि उसकी गर्दन में भी ताकत नहीं थी। इस केंद्र में किए गए फिजिकल एग्जामिनेशन और नियमित थेरेपी के बाद भूमि के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। अब वह आराम से बैठने लगी है, अपने नन्हे हाथों से चीजों को पकड़ने लगी है और सहारे से खड़ी भी होने लगी है।

कृषि महाविद्यालय में छात्र संघ का शपथ ग्रहण

जगदलपुर। कुम्हरावण्ड स्थित शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में गुरुवार को छात्र संघ का शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर सांसद महेश कश्यप ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए मनोनीत नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई।
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के नियमों और अंतिम मेरिट सूची में प्रावीण्यता के आधार पर हुए इस मनोनयन में एमएससी (कृषि) अंतिम वर्ष के छात्र सुहैल खान ने छात्र संघ अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला।

कलाकारों ने जनजातीय नृत्य से लेकर बस्तर के स्वादिष्ट व्यंजनों का किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर और बकावंड में ब्लॉक स्तरीय बस्तर पंडुम का समापन

बस्तर की समृद्ध जनजातीय परंपरा और लोक संस्कृति को सहेजने की दिशा में एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ते हुए बस्तर पंडुम 2026 का उत्साह अब पूरे शबाब पर है। इसी कड़ी में गुरुवार को विकासखंड मुख्यालय बस्तर और बकावंड में ब्लॉक स्तरीय बस्तर पंडुम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ, जहां मांदर की थाप और लोकगीतों की गूंज ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। बस्तर में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप और सांसद महेश कश्यप शामिल हुए। उनके साथ जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप और जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर न केवल कलाकारों की हौसला अफजाई की, बल्कि बस्तर की माटी से जुड़ी कला को मंच प्रदान करने की इस पहल को सराहा। इसी तरह बकावंड में आयोजित कार्यक्रम में सांसद महेश कश्यप ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। बस्तर पंडुम आयोजन के दौरान विकासखंड

छिपी प्रतिभा को निखारने एक क्रांतिकारी पहल

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सांसद महेश कश्यप ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बस्तर के कण-कण में कला बसती है। गांव-गांव में छिपी इस प्रतिभा को निखारने के लिए बस्तर पंडुम एक क्रांतिकारी पहल है। आज यहां 12 विधाओं में जो प्रदर्शन देखने को मिल रहा है, वह यह साबित करता है कि हमारी लोक कला आज भी उतनी ही जीवंत है। यह मंच हमारे ग्रामीण कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की पहली सीढ़ी है।

के विभिन्न अंचलों से आए कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। यह आयोजन महज एक प्रतियोगिता तक सीमित न रहकर बस्तर की 12 विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं के संरक्षण का माध्यम बना। कलाकारों ने जनजातीय नृत्य, लोकगीत, पारंपरिक वाद्ययंत्रों के वादन से लेकर बस्तर के स्वादिष्ट व्यंजनों, वन औषधियों और हस्तशिल्प का ऐसा प्रदर्शन किया कि उपस्थित अतिथि और दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अपनी जड़ों और परंपराओं को जीवित रखने के लिए ऐसे आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं, जो नई पीढ़ी को अपनी विरासत पर गर्व करना सिखाते हैं। उन्होंने अपने उद्बोधन में जोर देते हुए कहा कि बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों का मूल उद्देश्य हमारे तीज-त्यौहार, खान-पान, बोली-भाषा और रीति-रिवाजों को संरक्षित करना है। आज की युवा पीढ़ी आधुनिकता की दौड़ में अपनी जड़ों को न भूले, इसलिए शासन ने यह मंच तैयार किया है। हमारे कलाकारों के हुनर में वह जादू है जो दुनिया को आकर्षित करता है, और हमें इस विरासत को सहेजकर अगली पीढ़ी को सौंपना होगा।

वन अधिकार और पेसा कानून पर ग्रामसभा की महत्वपूर्ण बैठक

रासायनिक खेती छोड़कर जैविक खेती अपनाने पर जोर

जल जंगल जमीन पर मालिकाना हक से ही गांव का विकास संभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

आवराभाट में महा ग्रामसभा संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। अध्यक्षता ईश्वर मौर्य ने तथा मंच संचालन बनसिह मौर्य ने किया। बैठक में विभिन्न ग्राम सभाओं से आए प्रतिनिधियों, अध्यक्षों, सचिवों एवं सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्राम सभाओं को सशक्त करना, वन अधिकार मान्यता कानून, पेसा कानून तथा जल-जंगल-जमीन पर सामुदायिक अधिकारों को लेकर साझा समझ और कार्ययोजना तैयार करना था।

बैठक को संबोधित करते हुए महा ग्रामसभा संघ के अध्यक्ष लक्ष्मी नाथ कश्यप ने ग्राम सभा की पृष्ठभूमि और उद्देश्य को रखा। उन्होंने कहा कि वन अधिकार मान्यता कानून के अंतर्गत ग्राम सभा को जो अधिकार पत्रक प्राप्त होते हैं, उसके बाद आगे की प्रक्रिया को समझना और लागू करना अत्यंत आवश्यक है। शासन-प्रशासन से गांव की समस्याओं के समाधान के लिए महा ग्रामसभा संघ का गठन एक समन्वयक मंच के रूप में किया गया है, ताकि ग्राम सभाओं की आवाज एकजुट होकर मजबूत तरीके से रखी जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जल, जंगल और जमीन पर लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत सामूहिक निर्णय होना चाहिए, जिसमें महिला और पुरुष दोनों की समान भागीदारी सुनिश्चित हो। ग्राम सभा की बैठक नियमित रूप से आयोजित कर ग्राम सभा रजिस्टर एवं उपस्थित पंजी में कार्यवाही दर्ज करना अनिवार्य है तभी अधिकारों का सही उपयोग संभव होगा। साथ ही उन्होंने संस्कृति, परंपरागत देवी-देवता स्थलों के संरक्षण, शिक्षा-स्वास्थ्य के अध्ययन, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा रासायनिक खेती छोड़कर जैविक खेती अपनाने पर जोर दिया। संतु मौर्य ने कहा कि हमें केवल अधिकार पत्रक प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपने गांव के लिए ठोस प्रबंधन कार्ययोजना तैयार करनी होगी। जल जंगल जमीन पर वास्तविक मालिकाना हक लेकर ही गांव का सतत विकास संभव है।

प्रत्येक माह बैठक जरूरी

ग्राम सभा आवराभाट में यह निर्णय लिया गया कि महिला ग्राम सभा की बैठक प्रत्येक माह की 15 तारीख और पुरुष ग्राम सभा की बैठक 30 तारीख को नियमित रूप से होगी, जिसमें जंगल सुरक्षा और संसाधनों के संरक्षण पर निर्णय लिए जाएंगे। प्रज्ञिया मंडावी ने कहा कि महिला और पुरुष साइकिल के दो पहियों की तरह हैं, दोनों की समान भूमिका से ही ग्राम सभा मजबूत हो सकती है।

ग्राम सभा को मजबूत बनाना जरूरी

सुखदेव बघेल ने कहा कि अधिकार पत्रक मिलने के बाद धारा 4(घ) के अंतर्गत जल-जंगल-जमीन पर लोकतांत्रिक व्यवस्था से सामूहिक निर्णय लेकर लिखित कार्ययोजना बनाना हर ग्राम सभा की जिम्मेदारी है। लक्ष्मी मांझी ने कहा कि केवल अधिकार लेकर चुप नहीं बैठना चाहिए। ग्राम सभा में महिला-पुरुष की पूर्ण भागीदारी, महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और कोरम पूर्ति के साथ ग्राम सभा को मजबूत बनाना जरूरी है।

बैठक हर माह 15 तारीख को तय

ग्राम सभा नेतानार से मुन्ना नाग ने बताया कि गांव में बैठक हर माह 15 तारीख को तय है, लेकिन गांव बड़ा होने के कारण 7 पारा में से केवल 3 पारा के लोग ही उपस्थित हो पाते हैं। ग्राम सभा धुडमारास से ईश्वर बघेल ने विस्थापन के मुद्दे पर जोर देते हुए कहा कि आदिवासी-मूलनिवासी क्षेत्रों में जबरन शोषण, माइनिंग या वन्यजीव के नाम पर मुआवजा देकर गांव को बेदखल किया जाता है। इससे बचने के लिए ग्राम सभा का अधिकार पत्रक लेना अत्यंत आवश्यक है।

जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा

ग्राम सभा कावापाल से महादेव बघेल ने कहा कि रासायनिक खेती से बीमारियां बढ़ रही हैं, इसलिए उनके गांव में गोबर एकत्र कर जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। लघु वनोपज पर बिचौलियों के नियंत्रण को रोकने और ब्लॉक-जिला स्तर पर संवाद की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। ग्राम टेका मेटा से सुदरु राम बघेल ने जंगल बचाने के लिए चौकीदार के रूप में सेवा देने की बात कही और भूमि खरीद-बिक्री व जंगल कटाई पर रोक लगाने के ग्राम सभा के निर्णय को साझा किया। मोती राम बघेल ने कहा कि टेकामेटा सबसे बड़ा मानव निर्मित ऑक्सीजन जोन है। वन अधिकार पत्रक मिलने के बाद पर्यटन स्थल के रूप में उपयोग का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा को हथौड़ा नहीं, चाबी बनना होगा, ताकि लिखित कार्ययोजना के माध्यम से शासन-प्रशासन से संवाद किया जा सके।

26 ग्राम सभाओं के लोग पहुंचे

महा ग्रामसभा संघ के सचिव मानसिंह बघेल ने बैठक के मुख्य बिंदुओं को संक्षेप में रखते हुए पेसा कानून, वन अधिकार कानून, लघु वनोपज पर मालिकाना हक, विस्थापन और ग्राम सभा के स्वनिर्णय की महत्ता पर प्रकाश डाला। समापन की घोषणा ईश्वर मौर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर 26 ग्राम सभाओं के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य उपस्थित रहे।

भूमि और आपसी विवादों का समाधान ग्राम सभा में

घाटकवाली से वन प्रबंधन समिति अध्यक्ष लखेश्वर कश्यप ने बताया कि गांव में लगभग 155 हेक्टेयर सामुदायिक वन अधिकार पत्रक प्राप्त हुआ है। सीएफआर क्षेत्र में 5 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर 2.5 हेक्टेयर में काजू का पौधारोपण किया गया है। शिक्षा समिति का गठन कर साप्ताहिक बैठक होती है, शिक्षक-विद्यार्थियों की उपस्थिति की निगरानी की जाती है। हाट-बाजार समिति द्वारा प्राप्त राशि ग्राम सभा कोष में जमा की जाती है। कक्षा 5वीं से 12वीं तक अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों को ग्राम सभा में बुलाकर सम्मानित किया जाता है। शांति-न्याय समिति (जिसमें 10 सदस्य, 5 महिलाएं शामिल हैं) भूमि विवाद और आपसी विवादों का समाधान कर रही है। ग्राम सभा की बैठक प्रत्येक माह नियमित रूप से होती है।

ग्राम सभा की बैठक नियमित न हो पाना समस्या

ग्राम सभा धरमाऊर से सोभा मंडावी ने बताया कि गांव में ग्राम सभा की बैठक नियमित न हो पाना एक बड़ी समस्या है। जागरूकता के अभाव में लोग बैठक में उपस्थित नहीं हो पाते, जबकि जंगल सुरक्षा और खाली जगहों पर पौधारोपण पर गंभीर चर्चा जरूरी है।

जंगल सुरक्षा व संसाधनों के सही उपयोग के लिए कार्ययोजना

ग्राम सभा कांदानार से बली बघेल ने कहा कि गांव में चारों ओर घने जंगल हैं और लोग वनोपज, कंद-मूल-फल, हाट-बाजार और आजीविका संसाधनों का उपयोग करते आ रहे हैं। प्रबंधन समिति का गठन किया गया है और जंगल सुरक्षा व संसाधनों के सही उपयोग के लिए कार्ययोजना तैयार करना आवश्यक है। कांदानार के सरपंच ने कहा कि गांव किस दिशा में जाएगा,जल-जंगल-जमीन पर अधिकार कैसे लिया जाएगा, यह निर्णय ग्राम सभा ही तय करती है।

संजय बाजार में चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

संजय बाजार की दुकानों में चोरी करने वाले तीन शातिर आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से नगद रकम के अलावा चोरी किए गए सामान बरामद कर जेल भेजा गया।

- नगद रकम समेत कपड़े, जुता, स्पीकर आदि बरामद
- गिरफ्तार आरोपी न्यायालय में पेश, भेजा गया जेल

संजय बाजार क्षेत्र में हो रही लगातार चोरी की घटनाओं को देखते हुए एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर टीम गठित किया गया था। मामले की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए प्रार्थी शिवराम यादव ने बताया कि उसका संजय मार्केट में होलसोल नारियल दुकान है। 8 जनवरी को घरेलू काम से केशकाल गया हुआ था दूसरे दिन दुकान सुबह 9 बजे आया तो दुकान का ताला टूटा हुआ था। अज्ञात चोरों द्वारा दराज में रखा 60 हजार रूपए नगद के अलावा 3 हजार रूपए के सिक्का समेत 63 हजार रूपए ने चोरी कर लिया है। रिपोर्ट दर्ज होते ही टीम ने मामले की पड़ताल व सीसीटीवी की मदद से दुकान में चोरी किए आरोपियों की पहचान कर हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों सोनू उर्फ त्रिलोचन कश्यप, इरफान सिद्दीकी व कुशल नायडू से कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होनें दुकान में चोरी करना स्वीकार कर तीनों चोरों ने पैसे को आपस में बांटना बताया। आरोपियों ने चोरी के रूपए से कपड़े, जूता, म्यूजिक स्पीकर आदि खरीदा था उक्त सामान के अलावा उनसे नगद 4 हजार रूपए बरामद किया गया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हे न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया। त्वरित कार्रवाई में कोतवाली टीआई भोला सिंह राजपूत के अलावा एसआई छबील तांडेकर, अरूण मरकाम, आरक्षक प्रकाश नायक, रंगलाल खरे, बलराम कश्यप, त्रिनाथ कश्यप व उत्तम ध्रुव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जनभागीदारी से वनों को अग्नि से बचाएं : सीसीएफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

वन मण्डल बस्तर के तत्वाधान में सरगीपाल स्थित काष्ठागार के हाल में शुक्रवार को फायर सीजन 2026

- फायर सीजन में अग्नि घटनाओं की रोकथाम पर हुई कार्यशाला

में अग्नि घटनाओं की रोकथाम के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जगदलपुर वृत्त के मुख्य वन संरक्षक ने वनों को अग्नि से होने वाली हानियों के विषय में विस्तार से चर्चा किया गया। वनों को अग्नि से बचाने के लिए वन विभाग के साथ-साथ जनभागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ जल-जंगल-जमीन बचाने का संदेश दिया। वन मण्डलाधिकारी बस्तर उत्तम कुमार गुप्ता ने वन अग्नि प्रबंधन में जागरूकता, तकनीकी नवाचार और समुदाय आधारित प्रयासों की भूमिका की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में सीसीएफ, डीएफओ सहित उप वन मण्डलाधिकारी देवलाल दुग्गा, योगेश कुमार रात्रे, इंद्रप्रसाद बंजारे, रेंजर देवेन्द्र सिंह वर्मा, प्रकाश सिंह ठाकुर, समस्त फायर वाचर (अग्नि प्रहरी), समस्त वन प्रबंध समिति अध्यक्ष, समस्त फड़मुंशी, समस्त प्रबंधक, विभाग के समस्त फील्ड स्टाफ वनरक्षक, वनपाल, उप वन क्षेत्रपाल एवं परिक्षेत्र अधिकारी शामिल रहे।

समन्वित प्रयासों पर दिया जोर

कार्यशाला में सीसीएफ आलोक कुमार तिवारी ने वन अग्नि प्रबंधन में समन्वित प्रयासों की महत्ता पर जोर दिया। कार्यशाला वन अग्नि प्रबंधन की रणनीतियों को मजबूत करने और समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

205 बच्चों की उपस्थिति पर जताया संतोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

जिला शिक्षा अधिकारी बलीराम बघेल के निर्देश के अनुपालन में विकास खंड शिक्षा अधिकारी बकावंड चंद्रशेखर यादव, खंड स्त्रोत समन्वयक सोनसिंग बघेल एवं सी.ए.सी. समरथ पवन ने आज पीएम श्री स्कूल तारापुर का निरीक्षण किया।

- बीईओ ने किया पीएम श्री स्कूल तारापुर का निरीक्षण
- जिला शिक्षा अधिकारी को दी गई व्यवस्था

स्कूल में 205 बच्चे अध्ययनरत है जिन्हे 3 शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य कराया जा रहा है। बच्चों से बातचीत करने पर संतोषजनक जवाब मिला। दर्ज संख्या कि स्थिति पर शिक्षकों का प्रयास सराहनीय है। ग्रामीणों द्वारा शिक्षक कि मांग कि गई। खंड

शिक्षा अधिकारी ने जिला शिक्षा अधिकारी को स्थिति से अवगत कराया।

उन्होंने संस्था के अहाता का अवलोकन किया। साफ सफाई कि व्यवस्था उत्तम रही। संकुल शैक्षिक समन्वयक नरसिंह भारती को भी संस्थान में शैक्षिणक व्यवस्था प्रभावित न हो इस बाबत समझाइश दी गई। शिक्षकों को जाति, अपार, छात्रवृत्ति, कार्यों को अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए।

मतदाता सूची शुद्धिकरण कार्य का निरीक्षण

जगदलपुर। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गर्ग ने शुक्रवार को एसआईआर के अंतर्गत मतदाता सूची शुद्धिकरण हेतु प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत आवश्यक दस्तावेजों का भी गहन परीक्षण किया।
निरीक्षण के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के प्रमुख सचिव अरविंद आनंद एवं छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोस्कर विलास संदीपन उपस्थित रहे। अधिकारियों के दल ने सुबह 10 बजे एसडीएम तथा तहसील कार्यालय जगदलपुर का निरीक्षण किया, जहां दावा-आपत्तियों का निराकरण किया जा रहा था। ईआरओ एवं डीईओ लॉगिन के माध्यम से दावा-आपत्ति प्रकरणों में आवेदकों द्वारा अपलोड किए गए दस्तावेजों का परीक्षण किया गया तथा उनके सत्यापन की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने दस्तावेज अपलोड करने, जांच एवं निराकरण की संपूर्ण प्रक्रिया के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

- एसडीएम तथा तहसील कार्यालय का लिया जायजा

आवश्यकता है
नीलिमा डेवलपर्स एवं बिल्डर्स में प्रोजेक्ट साइट हेतु सिविल इंजीनियर एवं साइट सुपरवाईजर की आवश्यकता है।
सिविल इंजीनियर (BE) - कम से कम साइट में 5 वर्षो का अनुभव एवं साइट सुपरवाईजर- कम से कम साइट में 3 वर्ष का अनुभव अनिवार्य है।
सिविल इंजीनियर का वेतन 40,000 से 45,000 मासिक (योग्यता अनुसार) एवं साइट सुपरवाइजर का मासिक वेतन 15,000 से 20,000 तक।
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि- 25.01.2026
नीलिमा डेवलपर्स
शिवमंदिर के पास, चित्रकोट रोड, धरमपुरा नं 1,
जगदलपुर, जिला बस्तर छ.ग.
फोन- 07782 358085,मोबा.- 92441 44694